मुख्यमंत्री ने लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं जयन्ती पर 1,725 करोड़ रु0 लागत की सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना का शुभारम्भ किया

मुख्यमंत्री ने रोजगार मित्र पोर्टल का शुभारम्भ व गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, झांसी एवं गौतमबुद्धनगर में योजना के अन्तर्गत कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केन्द्रों का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया

विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण पत्र, टूलकिट तथा सीपेट से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए

टाटा इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स, अशोक लीलैण्ड, बी0वी0जी0 ग्रुप, पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज, सीपेट, एशियन डेवलपमेन्ट बैंक, आवाडा ग्रुप तथा मिण्डा के साथ एम0ओ0यू0 का आदान–प्रदान

मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को देश की एकता एवं अखण्डता बनाए रखने हेतु स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलायी

सरदार वल्लभभाई पटेल भारत की एकता के शिल्पी, उन्होंने 563 से अधिक रियासतों को एकजुट करके अखण्ड भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दिया : मुख्यमंत्री

सरदार पटेल के कार्य और स्मृतियां प्रत्येक भारतवासी के लिए प्रेरणा, उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व कि कोई भी ऐसा कार्य न हो, जिससे भारत की अखण्डता को चोट पहुंचे

जाति, प्रान्त, मत, सम्प्रदाय, रूप–रंग, बोली और भाषा अलग, लेकिन हमारी भाव–भंगिमा एक भारत, श्रेष्ठ भारत, देश आज एक, श्रेष्ठ और सुरक्षित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा

युवाओं को उनकी रुचि, योग्यता और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने हेतु सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना प्रारम्भ

इस योजना के अन्तर्गत युवाओं के प्रशिक्षण के उपरान्त किसी संस्थान, फैक्ट्री अथवा अन्य प्रतिष्ठान में उनका प्लेसमेन्ट कराने का प्रयास किया जाएगा

यदि कोई युवा नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर जापान अथवा जर्मनी जाना चाहता, तो उसे सम्बन्धित देश की भाषा और वहां की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा

18 मण्डल मुख्यालयों में केन्द्र स्थापित करने के लिए धनराशि की व्यवस्था पहले से की जा चुकी, आगे इन केन्द्रों का विस्तार प्रदेश के सभी जनपदों में किया जाएगा

लखनऊ : 31 अक्टूबर, 2026

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि आज लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की 151वीं पावन जयन्ती है। सरदार पटेल भारत की एकता के शिल्पी थे।

उन्होंने 563 से अधिक रियासतों को एकजुट करके अखण्ड भारत के निर्माण में अविस्मरणीय योगदान दिया। वह स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी, संविधान सभा के महत्वपूर्ण स्तम्भ, भारत के प्रथम गृह मंत्री और उप प्रधानमंत्री थे। आज वह भौतिक रूप से हमारे बीच नहीं हैं, लेकिन उनके कार्य और स्मृतियां प्रत्येक भारतवासी के लिए प्रेरणा हैं। उनके प्रति श्रद्धा और सम्मान रखने वाले प्रत्येक व्यक्ति का दायित्व है कि कोई भी ऐसा कार्य न हो, जिससे देश की एकता भंग हो अथवा भारत की अखण्डता को चोट पहुंचे।

मुख्यमंत्री जी आज यहां लोक भवन में लौह पुरुष, भारत रत्न सरदार वल्लभभाई पटेल जी की 151वीं जयन्ती राष्ट्रीय एकता दिवस पर 1,725 करोड़ रुपये लागत की प्रशिक्षण एवं रोजगार सृजित करने की ऐतिहासिक पहल सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना का शुभारम्भ करने के पश्चात आयोजित कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त कर रहे थे।

कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री जी ने रोजगार मित्र पोर्टल का शुभारम्भ तथा गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, झांसी एवं गौतमबुद्धनगर में योजना के अन्तर्गत कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केन्द्रों का वर्चुअल माध्यम से शिलान्यास किया। मुख्यमंत्री जी ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को प्रतीकात्मक चेक, प्रमाण पत्र, टूलकिट तथा सीपेट से प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले युवाओं को जॉब ऑफर लेटर प्रदान किए। मुख्यमंत्री जी के समक्ष टाटा इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स, अशोक लीलैण्ड, बी0वी0जी0 ग्रुप, पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज, सीपेट, एशियन डेवलपमेन्ट बैंक, आवाडा ग्रुप तथा मिण्डा के साथ एम0ओ0यू0 का आदान–प्रदान किया गया। मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम में उपस्थित लोगों को देश की एकता एवं अखण्डता बनाए रखने हेतु स्वयं को समर्पित करने की शपथ दिलायी।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि जाति, प्रान्त, मत, सम्प्रदाय, रूप–रंग, बोली और भाषा अलग हो सकते हैं, लेकिन हमारी भाव–भंगिमा एक है और वह एक भारत, श्रेष्ठ भारत है। भारत आज एक, श्रेष्ठ और सुरक्षित राष्ट्र के रूप में आगे बढ़ रहा है। आतंकवाद, अलगाववाद, उग्रवाद और नक्सलवाद से मुक्त भारत के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य हुए हैं। गुजरात में नर्मदा नदी के तट पर सरदार सरोवर के निकट केवड़िया में लौह पुरुष सरदार वल्लभभाई पटेल की विश्व की सबसे ऊंची प्रतिमा स्थापित की गई है। यह प्रतिमा उनके विराट व्यक्तित्व का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज प्रदेश के युवाओं को उनकी रुचि, योग्यता और औद्योगिक आवश्यकताओं के अनुरूप कौशल प्रशिक्षण देकर रोजगार से जोड़ने की आवश्यकता है। सरदार वल्लभभाई पटेल कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार क्षेत्र विकास योजना इसी उद्देश्य से प्रारम्भ की गई है। इस योजना के अन्तर्गत युवाओं की रुचि के अनुसार कौशल प्रशिक्षण की व्यवस्था होगी और प्रशिक्षण के उपरान्त किसी संस्थान, फैक्ट्री अथवा अन्य प्रतिष्ठान में उनका प्लेसमेन्ट कराने का प्रयास किया जाएगा।

यदि कोई युवा नर्सिंग का प्रशिक्षण प्राप्त कर जापान अथवा जर्मनी जाना चाहता है, तो उसे सम्बन्धित देश की भाषा और वहां की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण दिया जाएगा। सम्बन्धित संस्थाओं एवं दूतावासों के सहयोग से विदेश में रोजगार के लिए जाने की व्यवस्था की जाएगी, जिससे युवा को किसी प्रकार की परेशानी न हो। इसी प्रकार कृषि एवं खाद्य प्रसंस्करण के क्षेत्र में भी युवाओं को प्रशिक्षित किया जाएगा। किसान सामान्य खाद्यान्न, फल

और सब्जियों के उत्पादन के साथ उनका मूल्य संवर्धन, प्रसंस्करण और पैकेजिंग करके अपनी आमदनी बढ़ा सकते हैं। सामान्य रूप से एक लीटर दूध का मूल्य लगभग 50 रुपये होता है, लेकिन उसी दूध से छाछ, घी, मक्खन और पनीर जैसे उत्पाद तैयार करने पर उसका मूल्य कई गुना बढ़ जाता है। इसलिए युवाओं को उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप प्रशिक्षण देकर मूल्य संवर्धन से जोड़ना आवश्यक है।

योजना के प्रथम चरण में गोरखपुर, लखनऊ, कानपुर, झांसी और गौतमबुद्धनगर में कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार केन्द्र विकसित किए जा रहे हैं। 18 मण्डल मुख्यालयों में केन्द्र स्थापित करने के लिए धनराशि की व्यवस्था पहले से की जा चुकी है। इसके लिए सम्बन्धित स्थानों पर भूमि उपलब्ध कराई जानी है। गौतमबुद्धनगर में यमुना अथॉरिटी स्वयं केन्द्र का निर्माण कर रही है और टाटा भी उसके साथ जुड़ चुका है। गोरखपुर में गोरखपुर औद्योगिक विकास प्राधिकरण इस पहल से जुड़ा है। आगे इन केन्द्रों का विस्तार सभी 75 जनपदों में किया जाएगा।

इन केन्द्रों के माध्यम से कोई भी व्यक्ति, चाहे वह युवा हो अथवा प्रौढ़, रोजगार प्राप्त करने के लिए अपनी आवश्यकता के अनुसार पंजीकरण करा सकेगा। एम्प्लॉयमेन्ट जोन उसके लिए रोजगार की व्यवस्था से जोड़ने का कार्य करेगा। इस योजना में युवाओं की रुचि और योग्यता के अनुरूप प्रशिक्षण तथा रोजगार के अवसर उपलब्ध कराने की व्यवस्था की गई है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि योजना के अन्तर्गत कौशल प्रशिक्षण और रोजगार से जुड़े विभिन्न विभागों को एक मंच पर लाया गया है। उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ग्रामीण विकास के साथ फूड प्रोसेसिंग के क्षेत्र में, उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक चिकित्सा एवं नर्सिंग के क्षेत्र में, मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता नन्दी उद्योगों की आवश्यकताओं के सम्बन्ध में और श्री अनिल राजभर श्रम एवं सेवायोजन के क्षेत्र में सहयोग करेंगे। एम0एस0एम0ई0 मंत्री श्री भूपेन्द्र चौधरी ने इन सभी को एक मंच पर जोड़ने का कार्य किया है, जिससे प्रदेश के युवाओं के लिए एक ही व्यवस्था के अन्तर्गत कौशल प्रशिक्षण एवं रोजगार की सम्भावनाएं विकसित हो सकें।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि इस योजना के लिए टाटा इण्डियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्किल्स, अशोक लीलैण्ड, बी0वी0जी0 ग्रुप, पी0टी0सी0 इण्डस्ट्रीज, सीपेट, एशियन डेवलपमेन्ट बैंक, मिण्डा और आवाडा जैसी संस्थाओं के साथ एम0ओ0यू0 किए गए हैं। इन संस्थाओं द्वारा लाई जाने वाली तकनीक एवं विशेषज्ञता का लाभ प्रदेश के युवाओं को मिलेगा। लखनऊ में टाटा का बड़ा विनिर्माण केन्द्र है, जहां फोर व्हीलर, ट्रक और बसों का निर्माण होता है। अशोक लीलैण्ड का इलेक्ट्रिक व्हीकल भी लखनऊ में निर्मित हो रहा है। इन संस्थाओं के सहयोग से युवाओं को कौशल प्रशिक्षण देने के साथ बेहतर जॉब अपॉर्चुनिटी उपलब्ध कराने का कार्य किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि युवाओं को रोजगार के साथ स्वरोजगार के अवसर भी उपलब्ध कराए जा रहे हैं। सीएम युवा योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना और अन्य योजनाओं के माध्यम से युवाओं को उद्योग स्थापित करने के लिए ऋण सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। कई योजनाओं में सब्सिडी और ब्याज सहायता की व्यवस्था भी है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के माध्यम से सिलाई, कारपेंटरी, साज–सज्जा और अन्य पारम्परिक व्यवसायों से जुड़े लोगों को

टूलकिट उपलब्ध कराई जा रही है, ताकि वे अपना काम शुरू कर सकें और आत्मनिर्भर बन सकें।

मुख्यमंत्री जी ने युवाओं से अपनी पसंद और रुचि के अनुरूप कोई न कोई कार्य अवश्य चुनने का आह्वान करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने विद्यार्थियों को एक साथ दो डिग्री प्राप्त करने की सुविधा भी उपलब्ध कराई है। युवा कॉलेज में पढ़ाई के साथ–साथ कौशल विकास का पाठ्यक्रम भी कर सकते हैं। सामान्य रूप से छह से आठ घण्टे पढ़ाई करने के बाद तीन–चार घंटे कौशल प्रशिक्षण के लिए निकाले जा सकते हैं। इस प्रकार विद्यार्थी अपनी नियमित शिक्षा के साथ कौशल प्रशिक्षण भी प्राप्त कर सकते हैं। युवा इस सुविधा का लाभ प्राप्त कर अपने कौशल के माध्यम से आत्मनिर्भर भारत एवं आत्मनिर्भर उत्तर प्रदेश के निर्माण में योगदान देंगे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि वर्ष 2014 से पूर्व भारत की अर्थव्यवस्था को दुनिया में फ्रेजाइल फाइव के रूप में देखा जाता था। आज देश प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में विश्व की पांच बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में शामिल है और सबसे तेज गति से बढ़ने वाली अर्थव्यवस्था के रूप में अपनी पहचान स्थापित कर रहा है। प्रधानमंत्री जी द्वारा जनधन खातों की व्यवस्था प्रारम्भ किए जाने पर कुछ लोगों ने सवाल उठाए थे, लेकिन इस व्यवस्था ने सुनिश्चित किया कि सरकार द्वारा गरीबों और लाभार्थियों के लिए भेजी गई धनराशि सीधे उनके खातों में पहुंचे। पहले एक प्रधानमंत्री अपनी लाचारी व्यक्त करते थे कि उनके द्वारा भेजे गए 100 रुपये में से नीचे पहुंचते–पहुंचते केवल 15 रुपये ही बचते हैं। जनधन खातों और सीधे भुगतान की व्यवस्था ने इस स्थिति को बदला। अब यदि किसी युवा के लिए सरकार 100 रुपये भेजती है तो उसके खाते में पूरे 100 रुपये पहुंचते हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रधानमंत्री जी ने डिजिटल इण्डिया की परिकल्पना प्रस्तुत की तो उस समय अनेक लोग इसकी सफलता को लेकर सवाल उठाते थे। आज भारत डिजिटल क्रान्ति का नेतृत्व कर रहा है। भारत व उत्तर प्रदेश में देश की सबसे युवा आबादी है। यहां का युवा कार्यबल हमारी सबसे बड़ी ताकत है। पहले युवा आबादी को बोझ माना जाता था, लेकिन हमारी सरकार ने इसे सबसे बड़ी उपलब्धि और ताकत के रूप में स्वीकार किया है। हमने युवाओं की इस शक्ति को प्रधानमंत्री जी के स्किल डेवलपमेन्ट अभियान के साथ जोड़ने का कार्य किया है। स्केल हो और स्किल न हो तो गति दुर्गति में बदल जाती है, लेकिन स्केल और स्किल दोनों हों तो वही गति प्रगति में बदल जाती है। आज का कार्यक्रम इसी प्रगति को नई गति देने के लिए आयोजित किया गया है।

वर्ष 2017 से पहले उत्तर प्रदेश के युवाओं के सामने पहचान और रोजगार का संकट था। प्रत्येक जनपद में माफिया सक्रिय थे और युवाओं की नौकरी तथा रोजगार के अवसरों पर माफिया कब्जा कर लेते थे। युवा लाचार और हताश होकर पलायन करने को मजबूर था तथा अपनी पहचान छिपाता था। प्रदेश सरकार ने विगत साढ़े नौ वर्षों में साढ़े नौ लाख से अधिक युवाओं को सरकारी नौकरी प्रदान की है। प्रदेश में कानून–व्यवस्था का बेहतर वातावरण तैयार हुआ है, जिससे औद्योगिक विकास के माध्यम से भी लाखों युवाओं को नौकरी एवं रोजगार के अवसर प्राप्त हुए हैं।

पहले की सरकारों में वन डिस्ट्रिक्ट वन माफिया की स्थिति थी। हमारी सरकार ने माफिया को मिट्टी में मिलाने के साथ उत्तर प्रदेश के उत्पादों को 'एक जनपद एक उत्पाद

योजना' के माध्यम से नई पहचान और बाजार उपलब्ध कराया। ओ0डी0ओ0पी0 के माध्यम से प्रदेश में 03 करोड़ 25 लाख से अधिक लोगों को रोजगार प्राप्त हुआ है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश को पहले बीमारू राज्य के रूप में जाना जाता था, लेकिन आज प्रदेश विकास के नए मानक स्थापित कर रहा है। प्रदेश में रेल, सड़क और हवाई कनेक्टिविटी का विस्तार हुआ है। कृषि विकास दर 08 प्रतिशत से बढ़कर 18 प्रतिशत तक पहुंची है। प्रदेश की जी0डी0पी0, बजट तथा प्रति व्यक्ति आय तीन गुना हो गई है। उत्तर प्रदेश देश का ग्रोथ इंजन बनकर आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी ने विकसित भारत का संकल्प लिया है। उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने का लक्ष्य निर्धारित किया गया है। उत्तर प्रदेश आगे बढ़ेगा, तो देश भी आगे बढ़ेगा।

उप मुख्यमंत्री श्री केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि वर्ष 2017 में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनने के बाद उत्तर प्रदेश ने प्रगति के पथ पर तेजी से कदम बढ़ाए हैं। वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में नकल माफिया सक्रिय थे। इण्टरमीडिएट और स्नातक की परीक्षाओं में नकल होती थी। प्रतियोगी परीक्षाओं में मेहनत करने वाले युवाओं के बजाय पैसे और प्रभाव के आधार पर चयन होने की स्थिति थी। हमारी सरकार ने युवाओं की प्रतिभा के साथ खिलवाड़ करने वालों को जेल भेजकर स्वच्छ और पारदर्शी परीक्षा प्रणाली विकसित की है। आज युवाओं को उनकी बुद्धि, कौशल और विवेक के आधार पर आगे बढ़ने का अवसर मिल रहा है।

उप मुख्यमंत्री श्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि मुख्यमंत्री जी के नेतृत्व एवं मार्गदर्शन में प्रदेश चहुमुखी विकास कर रहा है। युवाओं को बिना भेदभाव के सरकारी तथा निजी क्षेत्र की नौकरियों से जोड़ा जा रहा है। महिला, किसान, युवा सहित समाज के प्रत्येक तबके को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में निरन्तर प्रयास किया जा रहा है। यह सभी प्रयास प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने में मील के पत्थर साबित होंगे।

सूक्ष्म, लघु एवं उद्यम मंत्री श्री भूपेन्द्र चौधरी ने कहा कि मुख्यमंत्री जी की प्रेरणा और कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश के युवाओं तथा उद्योगों के बीच कौशल का अन्तर समाप्त करने के उद्देश्य से यह योजना तैयार की गई है। उद्योगों को अपनी आवश्यकता के अनुरूप प्रशिक्षित मानव संसाधन नहीं मिल पाता और प्रतिभाशाली युवाओं को भी सही दिशा एवं प्रशिक्षण के अभाव में रोजगार प्राप्त करने में कठिनाई होती है। इसी स्किल गैप को समाप्त करने के लिए यह पहल की गई है। योजना के अन्तर्गत पूरे प्रदेश को 09 विशेष जोन में बांटकर हब एण्ड स्पोक मॉडल विकसित किया गया है।

इस अवसर पर औद्योगिक विकास मंत्री श्री नन्द गोपाल गुप्ता 'नन्दी', श्रम एवं सेवायोजन मंत्री श्री अनिल राजभर, विधायक डॉ0 नीरज बोरा, श्री ओ0पी0 श्रीवास्तव, सलाहकार मुख्यमंत्री श्री अवनीश कुमार अवस्थी, अपर मुख्य सचिव औद्योगिक विकास श्री आलोक कुमार, प्रमुख सचिव एम0एस0एम0ई0 श्री शशि भूषण लाल सुशील सहित शासन के वरिष्ठ अधिकारी, विभिन्न औद्योगिक एवं कॉरपोरेट संस्थाओं के प्रतिनिधि, लाभार्थी तथा युवा उपस्थित थे।

———————————